जलवायु परिवर्तन के बारे में
अमेरिका के राष्ट्रपति पद के दावेदारों के विचार

बराक ओबामा

ओबामा कहते हैं, भावी पीढ़ियों के लिए इस ग्रह को बेहतर अवस्था में रखना अमेरिका की ज़िम्मेदारी है। उनकी योजना से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी होगी। वह 2050 तक कार्बन उत्सर्जन को 80 प्रतिशत तक घटाने के लिए बाज़ार आधारित 'ग्रीनहाउस गैस रोको और व्यापार करो' की प्रणाली लागू करेंगे, कार्बन की न्यून मात्रा वाले ईंधनों के लिए राष्ट्रीय मानक तय करेंगे, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके गैसोलीन के उपभोग में कमी करेंगे और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाएं चलाने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी में निवेश करेंगे। वह ऊर्जा विभाग में प्रौद्योगिकी स्थानांतरण का ऐसा कार्यक्रम तैयार करेंगे जिससे विकासशील देशों को जलवायु पर दुष्प्रभाव न डालने वाली प्रौद्योगिकी का निर्यात किया जा सकेगा। वह वृक्षारोपण और चरागाहों का विकास करने वाले किसानों तथा पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के कदम भी उठाएंगे।

हिलेरी क्लिंटन

हिलेरी क्लिंटन कहती हैं कि जलवायु परिवर्तन आज एक अहम नैतिक मुद्दा बन गया है और वह वैश्विक गर्मी बढ़ाने वाली कार्बन डाइ ऑक्साइड तथा अन्य गैसों के उत्सर्जन को कम करने की नीतियों का समर्थन करती हैं। क्योटो प्रोटोकॉल 2012 में समाप्त हो जाएगा, इसलिए वह इसके स्थान पर नई संधि प्रस्तुत करेंगी। उनका प्रस्ताव है कि वे स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी में निवेश करेंगी, ग्लोबल वार्मिंग पैदा करने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए बाज़ार आधारित कार्यक्रम चलाएंगी, ईंधन की क्षमता बढ़ाएंगी और जलवायु परिवर्तन के मसले को हल करने में अमेरिकी नेतृत्व को और मज़बूत करेंगीं।

जॉन मैक्केन

मैक्केन कार्बन डाइ ऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने हेतु परमाणु ऊर्जा जैसी उन्नत प्रौद्योगिकी बाज़ार में जल्दी मुहैया कराने, विदेशी ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भरता को कम करने और जलवायु परिवर्तन के समाधान में सभी राष्ट्रों के योगदान को सुनिश्चित करने के लिए बाज़ार की शक्तियों का उपयोग करेंगे। वह 2050 तक कार्बन उत्सर्जन में 65 प्रतिशत कमी लाने संबंधी अमेरिकी सेनेट के प्रस्ताव के मुख्य प्रस्तुतकर्त्ता थे और उन्हें विश्वास है कि जलवायु परिवर्तन राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है।

फोटो © यू. एस. सेनेट